SHODH SAMAGAM

Online ISSN : 2581-6918

छत्तीसगढ़ में निगमीय – कर राजस्व की प्रवृत्तियों का विश्लेषण

डॉ. जगन्नाथ साहा, विभागाध्यक्ष वाणिज्य विभाग,
विवेकानंद महाविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत

ORIGINAL ARTICLE

Corresponding Author :
डॉ. जगन्नाथ साहा,
विभागाध्यक्ष वाणिज्य विभाग,
विवेकानंद महाविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़,
भारत

shodhsamagam1@gmail.com

Received on : 04/09/2019
Revised on : -----
Accepted on : 07/09/2019
Plagiarism : 02% on 04/09/2019

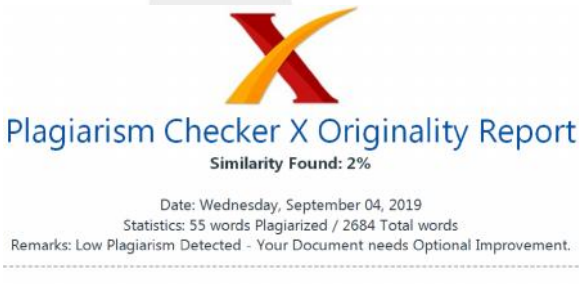

प्रस्तावना :–

कंपनीयों की आय पर लगाया जाने वाला कर को निगमीय कर कहते है । निगमीय–कर का निर्देशन आय कर अधिनियम और वित्त अधिनियम दोंनों के ही नियमों द्वारा होता है । 1960–61 से आयकर में निगमीय कर सम्मिलित कर लिया गया है । समय – समय पर अधिनियम में संशोधन करते हुए निगमीय कर की दर एवं छूट में परिवर्तन किए गए है ।

आयकर अधिनियम के अन्तर्गत निगमीयो द्वारा देय आय कर निगमीय–कर अर्थात कंपनीयों पर आय–कर कहलाता है । इसके अतिरिक्त निगमों पर लाभांश कर तथा लाभों पर अधि–कर लगाये जाते है। लाभांश का निर्देशन भी आय–कर अधिनियम और वित्त अधिनियम द्वारा होता है । ये दोनो कर निगमीय–कर के ही अंग माने जाते है ।

मुख्य शब्द :–

निगमीय कर, आयकर, कर ।

अध्ययन के क्षेत्र व उद्देश्य :–

इस शोध प्रबंध का अध्ययन का क्षेत्र छत्तीसगढ़ है । छत्तीसगढ़ में निगम कर (कंपनीयों से प्राप्त आयकर) से प्राप्त राजस्व के प्रवृत्तियों का अध्ययन के लिए वित्तीय वर्ष 1995–96 से 2004–05 तक दस वर्षो की अवधि के कालखण्ड का चयन किया गया । छत्तीसगढ़ राज्य का गठन 1 नवम्बर 2000 को हुआ, अतः अध्ययन के कालखण्ड के कुछ वर्ष राज्य गठन के पूर्व व कुछ वर्ष राज्य गठन के पश्चात् के संदर्भ में है । इस शोध अध्ययन के अग्रलिखित उद्देश्य है :–

1. छत्तीसगढ़ में कंपनीयों से प्राप्त आयकर राजस्व की दिशाओं (प्रवृत्तियों) का अध्ययन करना है ।

2. छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के पूर्व पाँच वित्तीय वर्षो (1994–95 से 1999–2000) तथा छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के पश्चात् के पाँच वर्षो (2000 – 01 से 2004–05) तक में निगमीय कर से प्राप्त राजस्व का तुलनात्मक अध्ययन करना है ।

3. छत्तीसगढ़ में कंपनी करदाताओ की संख्याओं की प्रवृत्तियों का अध्ययन करना है।

4. छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के पूर्व पाँच वित्तीय वर्षो (1994–95 से 1999–2000) तथा छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के पश्चात् के पाँच वर्षो (2000–01 से 2004–05) तक के अवधियों में छत्तीसगढ़ में कंपनी करदाताओ की संख्याओं का तुलनात्मक अध्ययन करनाा है।

शोध प्रविधि :–

शोध प्रविधियो का वर्गीकरण विभिन्न विद्वानो ने विभिन्न प्रकार से किया है । कुछ विद्वानों ने इसे संकाय (क्षेत्र) के आधार पर शिक्षा, मनोविज्ञान व इतिहास आदि शोध के रूप में वर्गीकृत किया । कुछ विद्वानों ने उददे्श्य व शोध हेतु समंक संकलन करने की विधियों के आधार पर वर्गीकरण किया है । सामान्य रूप से अधिकांश विद्वान, शोध के एतिहासिक, वर्णात्मक,प्रयोगात्मक शोध व अनुसंधान के वर्गीकरण से सहमत है ।

प्रस्तुत शोध अध्ययन भूतकाल के एक कालखण्ड वित्तीय वर्ष 1995–96 से 2004–05 तक छत्तीसगढ़ में निगमीय कर से प्राप्त राजस्व की प्रवृत्तियो का अध्ययन है । अतः यह शोध मूलतः ऐतिहासिक आर्थिक शोध है ।

इस शोध अध्ययन के लिए प्राथमिक (मौलिक) समंको के साथ – साथ द्वितीयक संमंको का उपयोग किया गया है । छत्तीसगढ़ में वसूल हुए निगमीय कर (कंपनीयों से प्राप्त आयकर) राजस्व से द्वितीयक समंको को आयकर विभाग द्वारा जारी किये गये डायरियों, जर्नल, पुस्तको आदि से लिया गया है ।

इस शोध अध्ययन में अग्रलिखित अंकगणितीय तथा संख्यिकीय विधियों व सूत्रो का उपयोग किया गया है ।

1. निगमीय कर से प्राप्त राजस्व का स्पष्ट विश्लेषण करने के लिए 10 वर्षो के समंको की तालिकाओ का उपयोग किया गया है । निकटतम विगत् वित्तीय वर्ष की तुलना में चालू वित्तीय वर्ष के राजस्व में वृद्धि या कमी ज्ञात करने के लिए अग्रलिखित विधि का प्रयोग किया गया है ।

प्रथम चरण

कर राजस्व में वृद्धि या कमी = [चालू वित्तीय वर्ष के कर राजस्व (–) विगत वित्तीय वर्ष के कर राजस्व]

नोट : धनात्मक होने पर कर राजस्व में वृद्धि व ऋणात्मक होने पर कमी ।

द्वितीय चरण

$$\text{वृद्धि या कमी का प्रतिशत} = \frac{\text{चरण 1 से प्राप्त वृद्धि या कमी की राशि}}{\text{विगत् वित्तीय वर्ष में प्राप्त कर राजस्व की राशि}} \times 100$$

2. राजस्व तथा अन्य समंको का सारणीबद्ध रूप से अध्ययन करने के साथ – साथ कर राजस्व की दिशा तथा प्रकृति का एक चित्र खींचने के लिये रेखा चित्र का उपयोग किया गया है ।

3. छत्तीसगढ से प्राप्त आय कर राजस्व व आय – करदाताओ की संख्याओं की प्रवृत्तियों का विश्लेषण करने के लिये तीन वर्षीय चल माध्य का उपयोग किया गया है ।

विशेष :–

विभिन्न करदाताओं के विश्लेषण में 10 वर्षो के चयनीत कालखण्ड (वित्तीय वर्ष 1995–96 से 2004–05 तक) को वित्तीय वर्ष (1994–95 से 1999–2000) तक पाँच वित्तीय वर्षो को छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के पूर्व तथा शेष (2000–01 से 2004–05) कपाँच वित्तीय वर्षो को छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के पश्चात तक के दो अवधियों में विभाजित किया गया । वित्तीय वर्षो के इस प्रकार के विभाजन में संबंध में उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य का गठन 1 नवम्बर 2000 को हुआ है जिससे वित्तीय वर्ष 2000 – 01 के अप्रेल से अक्टूबर तक 7 माह छत्तीसगढ़ गठन के पूर्व व शेष नवम्बर से मार्च तक के 5 माह की अवधि छत्तीसगढ़ राज्य गठन के पश्चात् की अवधि । परन्तु सामान्यतः अधिकांश करदाताओ द्वारा आय कर विवरणी अप्रेल से अक्टूबर माह तक दाखिल की जाती है अतः वित्तीय वर्ष 2000 – 01 को छत्तीसगढ़ राज्य गठन के पूर्व की अवधि में शामिल किया गया है ।

छत्तीसगढ़ में वित्तीय वर्ष 1995 – 96 से 2004 – 05 तक निगमीय कर से प्राप्त राजस्व का विश्लेषण :–

छत्तीसगढ़ में निगमीय (कंपनी) कर प्राप्त राजस्व :–

छत्तीसगढ़ में वित्तीय वर्ष 1995 – 96 में निगम कर से 200 करोड़ से भी कम राजस्व प्राप्त हुआ था जो वित्तीय वर्ष 2004 – 05 में 940 करोड़ रूपये हो गया । वित्तीय वर्ष 1996 – 97 से क्रमशः विगत वर्ष की तुलना प्रतिवर्ष वृद्धि 4.23%, 8.12%, 13.62%, 14.46%, 16.61% राजस्व की वृद्धि हुई । वित्तीय वर्ष, वर्ष 2001 – 02 में विगत वित्तीय वर्ष की तुलना में 6.81 राजस्व की वृद्धि हुई । कंपनी कर राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि वित्तीय वर्ष 2002 – 03 से 2004 – 05 तक वृद्धि हुई । विगत वित्तीय वर्ष की तुलना में वित्तीय वर्ष 2002 – 03 में 29%, 2003 – 04 में 35.73%, 2004 – 05 में 55.63% की राजस्व वृद्धि हुई ।

तालिका क्रमांक – 1

वित्तीय वर्ष 1995 – 96 से 2004 – 05 तक छत्तीसगढ़ में निगमीय कर से प्राप्त राजस्व का विश्लेषण

(करोड़ रू. में)

वर्ष	छ.ग. में प्राप्त निगम कर	वृद्धि या कमी	
		रू. में	प्रतिशत में
95-96	189	-	-
96-97	197	8	04. 23%
97-98	213	16	08. 12%
98-99	242	29	13. 62%
99-00	277	35	14. 46%
00-01	323	46	16. 61%
01-02	345	22	06. 81%
02-03	445	100	29.00%
03-04	604	159	35. 73%
04-05	940	336	55. 63%

स्त्रोत : आय – कर कार्यलय, रायपुर

अतः वित्तीय वर्ष 2001–02 को छोडकर कालखण्ड के सभी वित्तीय वर्ष की तुलना में उत्तरोत्तर

वृद्धि हुई है । छत्तीसगढ़ में वित्तीय वर्ष 1996–97 व 2004–05 में क्रमशः न्यूनतम व अधिकतम निगमीय–कर राजस्व में वृद्धि हुई है । उल्लेखनीय है कि कालखण्ड के किसी भी वित्तीय वर्ष में निगम कर राजस्व में नकारात्मक वृद्धि / कमी छत्तीसगढ़ में नही हुई है । जबकि गैर निगमीय आय – कर राजस्व में नकारात्मक वृद्धि वित्तीय वर्ष 2002 – 03 हुई है ।

आरेख क्रमांक – 1

वित्तीय वर्ष 1995 – 96 से 2004 – 05 तक छत्तीसगढ़ में निगमीय कर (कंपनीयों से प्राप्त आय – कर) से प्राप्त राजस्व में वृद्धि रेखाचित्र (प्रतिशत में)

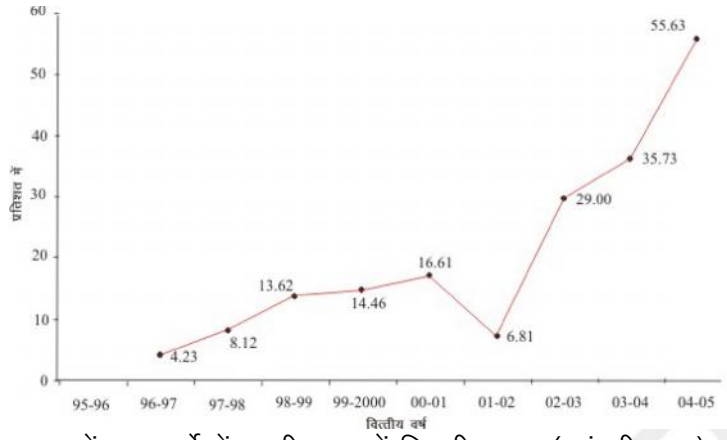

चयनित कालखण्ड में दस वर्षो में छत्तीसगढ़ में निगमीय कर (कंपनी कर) राजस्व का तीन वर्षीय चल माध्य पर आधारित प्रवृत्ति निकालने पर वित्तीय वर्ष 1996 – 97 से 2003 – 04 तक निगम कर राजस्व में क्रमशः –3, –4, –2, –3, +8, –26, –20, –57, करोड़ रूपये का उच्चावचन पाया गया है, जिसमें सर्वाधिक ऋणात्मक उच्चावचन 2001 – 02 से 2003 – 04 तक तीन वित्तीय वर्षो में पाया गया है ।

निगम (कंपनी) कर राजस्व की तुलनात्मक स्थिति :–

छ.ग. राज्य गठन के पूर्व छ.ग. में वित्तीय वर्ष 1994 – 95 से 99 – 00 तक निगमीय (कंपनी) कर से 1118 करोड़ रू. राजस्व प्राप्त हुए है ।

छ.ग. राज्य गठन के पश्चात् छ.ग. में वित्तीय वर्ष 2000 – 01 से 04 – 05 तक निगमीय (कंपनी) कर से 2657 करोड़ रू.राजस्व प्राप्त हुए है ।

आरेख क्रमांक – 2

चयनित कालखण्ड में छत्तीसगढ़ राज्य गठन के पूर्व पश्चात् के दो अवधियों में निगमीय (कंपनी) आयकर राजस्व की तुलनात्मक स्थिति

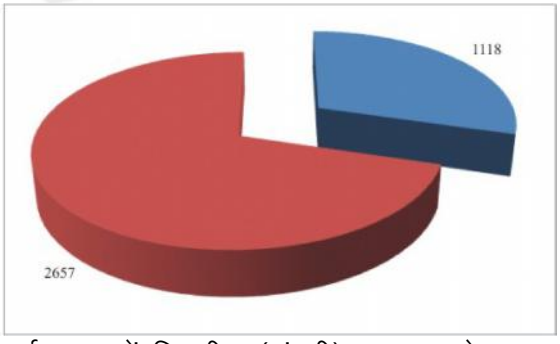

- छ.ग. राज्य गठन के पूर्व छ.ग. में निगमीय (कंपनी) आयकर से प्राप्त राजस्व (करोड़ रू. में)
- छ.ग. राज्य गठन के पश्चात् छ.ग. में निगमीय (कंपनी) आयकर से प्राप्त राजस्व (करोड़ रू. में)

अतः चयनित कालखण्ड में छत्तीसगढ़ राज्य गठन के पूर्व की तुलना में राज्य गठन के पश्चात् की अवधि में 1539 करोड़ रू. की कंपनी कर राजस्व में की वृद्धि हुई है ।

वित्तीय वर्ष 1995 – 96 से 2005 – 06 तक छत्तीसगढ़ में कम्पनी करदाताओं द्वारा दाखिल किये गये आय – कर विवरणी की संख्याओं का विश्लेषण :–

वित्तीय वर्ष 1996 – 97 से 2000 – 01 तक छत्तीसगढ़ में कंपनी करदाताओं की संख्या में 3.97%, 9 2.29%, 3.99%, 1.92%, तथा 2.59 % वृद्धि हुई । कालखंण्ड में वर्षो में सबसे अधिक वृद्धि (26.46%) वित्तीय वर्ष 2004 – 05 में हुई । वित्तीय निर्धारण वर्ष 2001 – 03 व 2003 – 04 में वृद्धि क्रमश : 22. 34%, 13.34%, 26.46% हुई । परन्तु वित्तीय वर्ष 2003 – 04 में कंपनी करदाताओं की संख्या निकटतम विगत वित्तीय वर्ष 2002 – 03 की तुलना में 11% की कमी आयी ।

तालिका क्रमांक – 2

वर्ष 1995 – 96 से 2004 – 05 तक छत्तीसगढ़ में कंपनी करदाताओं की संख्याओं का विश्लेषण

वर्ष	छ.ग. में कंपनी करदाताओ की संख्या	वृद्धि या कमी	
		संख्याओ में	प्रतिशत में
95-96	755	-	-
96-97	785	30	3. 97%
97-98	803	18	2. 29%
98-99	835	32	3. 99%
99-00	851	16	1. 92%
00-01	873	22	2. 59%
01-02	1068	195	22. 34%
02-03	1210	142	13.30%
03-04	1077	- 133	-11.00%
04-05	1362	285	26. 46%

स्त्रोत : आय – कर कार्यालय, रायपुर

आरेख क्रमांक – 3

वित्तीय वर्ष 1995 – 96 से 2004 – 05 तक छत्तीसगढ़ में कंपनी करदाताओं की संख्याओ में वृद्धि के प्रतिशतो का रेखाचित्र

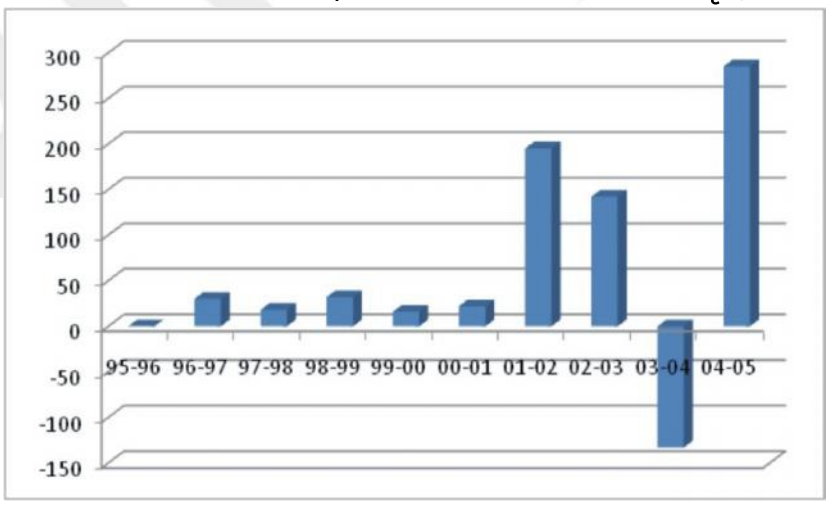

छ.ग. में कम्पनी कर खाताओं की संख्या

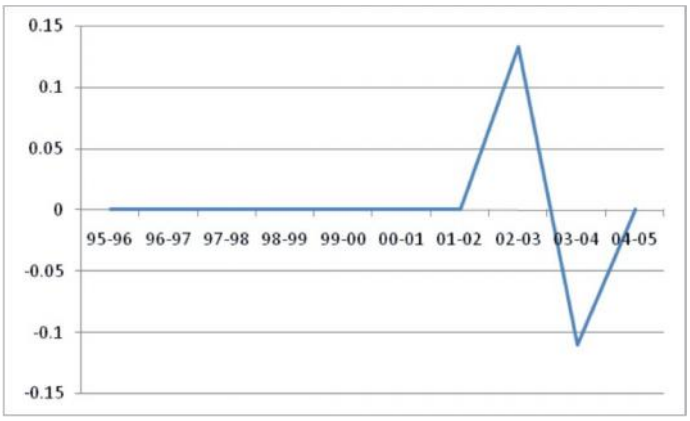

छ.ग. मं कम्पनी कर खाताओं की संख्या (प्रतिशत में)

छत्तीसगढ़ में कम्पनी आय करदाताओं द्वारा चयनित कालखण्ड वित्तीय वर्ष 1995 – 96 व 2004 – 05 तक दाखिल किये गये विवरणीयों के आधार पर करदाताओं की संख्या का विश्लेषण करने के लिए, चयनित कालखण्ड को छत्तीसगढ़ गठन के पूर्व व पश्चात् दो भागो में विभक्त कर तुलना करने पर निम्नलिखित परिणाम प्राप्त हुए : –

1. दाखिल किये गये विवरणीयों के आधार पर छत्तीसगढ़ में निगमीय (कंपनी) करदाताओं की संख्याओ की तुलनात्मक स्थिति :–

छ.ग. राज्य गठन के पूर्व छ.ग. में वित्तीय वर्ष 1994–95 से 99–2000 तक छत्तीसगढ़ में कंपनी करदाताओं की संख्या 873 थी ।

छ.ग. राज्य गठन के पश्चात् छ.ग. में वित्तीय वर्ष 2000–01 से 04–05 तक कंपनी करदाताओं की संख्या 1362 थी ।

आरेख क्रमांक – 4

चयनित कालखण्ड में छत्तीसगढ राज्य के गठन के पूर्व व पश्चात् की दो अवधियों में निगमीय (कंपनी) करदाताओं की संख्याओ की तुलनात्मक स्थिति

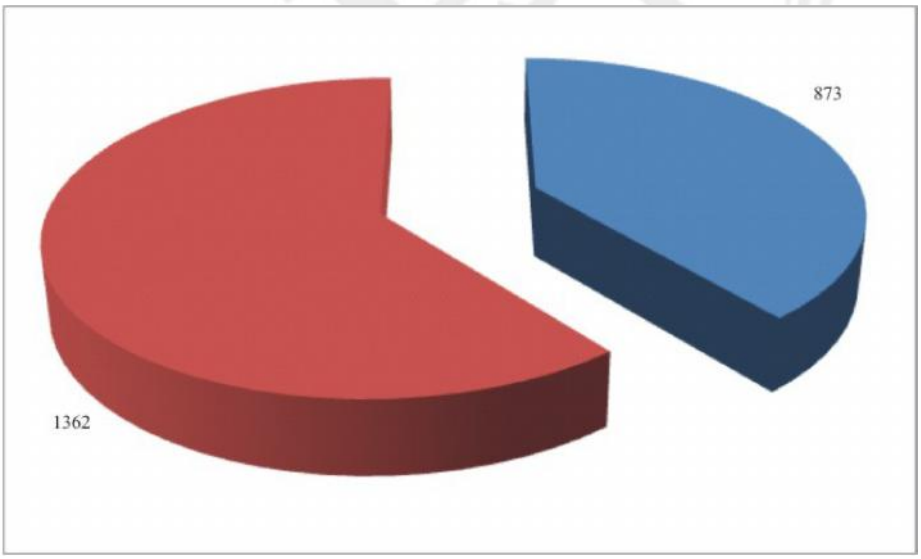

- छ.ग. राज्य गठन के पूर्व वित्तीय वर्ष 1994–95 से 99–00 छ.ग.म. कंपनी करदाताओं की संख्या।
- छ.ग. राज्य गठन के पश्चात् वित्तीय वर्ष 2004–05 तक छ.ग.म. कंपनी करदाताओं की संख्या ।

अतः छत्तीसगढ़ राज्य गठन के पूर्व की अवधि की तुलना में राज्य गठन के पश्चात् की अवधि में कंपनी करदाताओं की वृद्धि हुई ।

तालिका क्रमांक – 3

वर्ष 1994 – 95 से 2004 – 05 तक तीन वर्षीय चल माध्य पर आधारित छत्तीसगढ़ में निगमीय आयकर से प्राप्त राजस्व की प्रवृत्ति

वर्ष	छ.ग. में प्राप्त निगम आयकर	तीन वर्षीय चल योग	तीन वर्षीय चल माध्य	उच्चावनचन
95–96	189	–	–	–
96–97	197	599	200	–3
97–98	213	652	217	–4
98–99	242	732	244	–2
99–00	277	842	280	–3
00–01	323	954	315	+8
01–02	345	1113	371	–26
02–03	445	1394	464	–20
03–04	604	1989	661	–57
04–05	940	–	–	–

आरेख क्रमांक – 5

वर्ष 1994 – 95 से 2004 – 05 तक तीन वर्षीय चल माध्य पर आधारित छत्तीसगढ़ में निगमीय कर से प्राप्त राजस्व की प्रवृत्ति का रेखाचित्र

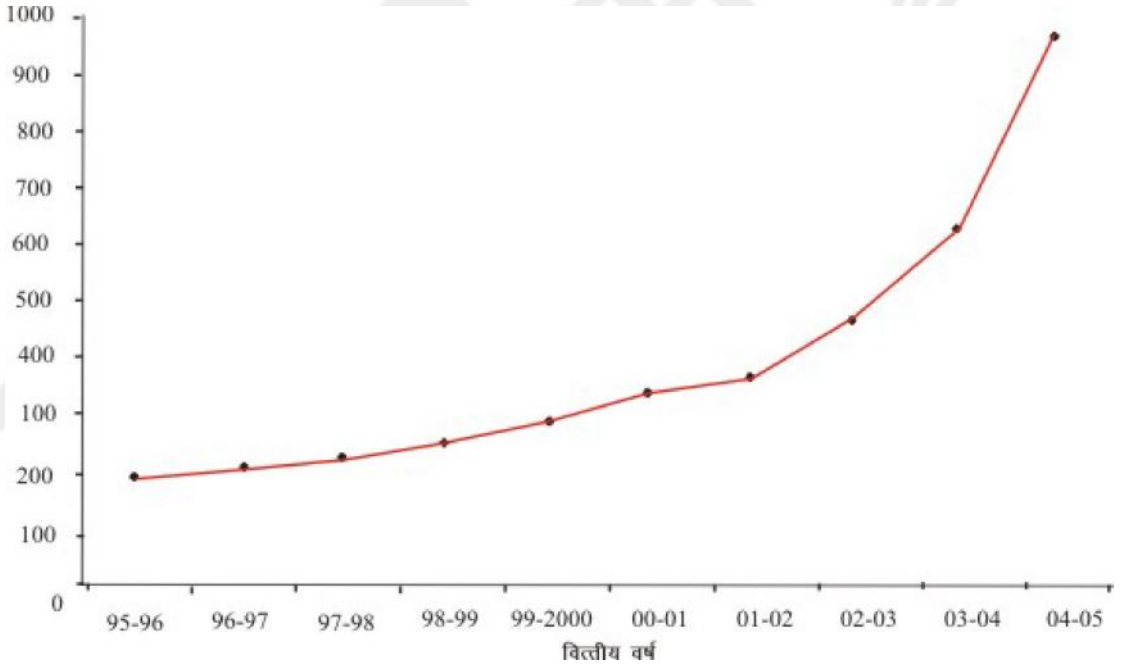

तालिका क्रमांक – 4
चयनित कालखण्ड में तीन वर्षोय चल माध्य पर आधारित छत्तीसगढ में कंपनी करदाताओ की संख्याओ की प्रवृत्ति

वर्ष	कंपनी करदाताओ की संख्या	तीन वर्षीय चल योग	तीन वर्षीय चल माध्य	उच्चावनचन
95– 96	755	–	–	–
96– 97	785	2343	781	+4
97– 98	803	2423	808	–5
98– 99	835	2489	830	+5
99– 00	851	2559	853	–2
00– 01	873	2792	931	–58
01– 02	1068	3152	1051	+17
02– 03	1210	3355	1118	+92
03– 04	1077	349	1216	–139
04– 05	1362	–	–	–

आरेख क्रमांक – 6
चयनित कालखण्ड में तीन वर्षोय चल माध्य पर आधारित छत्तीसगढ में कंपनी करदाताओ की संख्याओ की प्रवृत्ति का रेखाचित्र

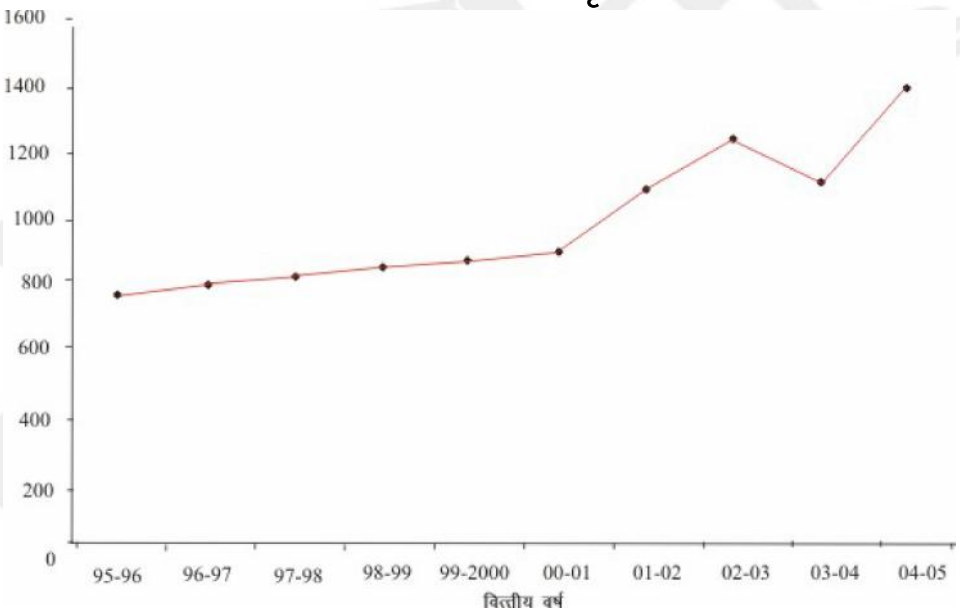

निष्कर्ष :–

छत्तीसगढ़ राज्य वित्तीय वर्ष 1995 – 96 में 189 करोड़ रूपये निगमीय कर (कंपनी आयकर राजस्व प्राप्त हुआ) चयनित कालखण्ड के अंतिम वित्तीय वर्ष 2004–05 में 940 करोड़ रूपये हो गया । कालखण्ड के प्रथम वित्तीय वर्ष की तुलना में अंतिम वित्तीय वर्ष 2004 – 05 में निगम कर (कंपनी आय–कर) राजस्व में 497 प्रतिशत वृद्धि हुई है । वित्तीय वर्ष 1995 – 96 से 2004 – 05 तक छत्तीसगढ़ में क्रमशः 189,197,213,242,271,323,345,445,604 तथा 940 करोड़ रूपये निगमीय कर (कंपनी आय–कर) राजस्व प्राप्त हुआ है । वित्तीय वर्ष 1996–97 से 2004–95 तक विगत वर्ष की तुलना में प्रतिवित्तीय वर्ष

निगमीय कर (कंपनी आय–कर) राजस्व में 4.23%, 8.12%, 13.62%, 14.46%, 16.61% , 29%, 35. 73%, तथा 55.63% की तुलनात्मक वृद्धि हुई है । अतः वित्तीय वर्ष 2001–02 छोडकर कालखण्ड के सभी वित्तीय वर्षो में विगत वित्तीय वर्ष की तुलना में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है । छत्तीसगढ़ में वित्तीय वर्ष 1996–97 व 2004–05 में न्यूनतम व अधिकतम निगम कर–राजस्व में वृद्धि छत्तीसगढ़ में हुई है उल्लेखनीय है कि कालखण्ड के किसी भी वित्तीय वर्ष में निगमीय कर राजस्व में नकरात्मक वृद्धि (कमी) छत्तीसगढ़ में नही हुई है ।

चयनित कालखण्ड के दस वर्षो में छत्तीसगढ़ में निगमीय कर (कंपनी कर) राजस्व का तीन वर्षीय चल माध्य पर आधारित प्रवृत्ति निकालने पर वित्तीय वर्ष 1996–97 से 2003–04 तक निगमीय कर राजस्व में क्रमश : –3, –4, –2, –3, +8, –26, –20, –57, करोड़ रूपये का उच्चावचन पाया गया है। वित्तीय वर्ष 2000–01 को छोडकर अन्य वित्तीय वर्षो में ऋणात्मक उच्चावचन पाया गया है, जिसमें सर्वाधिक ऋणात्मक उच्चवचन 2001–02 से 2003–04 तक तीन वित्तीय वर्षो में पाया गया है । कंपनी करदाताओं की संख्या में वित्तीय वर्ष 2003–04 को छोडकर सभी वित्तीय वर्षो में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है । वित्तीय वर्ष 2003–04 में 133 कंपनी करदाताओं की संख्या में कमी हुआ है । कालखण्ड के दस वर्षो में कंपनी करदाताओं की संख्या में सर्वाधिक वृद्धि (26.46%) वित्तीय वर्ष 2004–05 में हुई है ।

संदर्भ सूची :–

1. *डॉ. गुप्ता कृष्ण चंद्र (1971) : भारत में करारोपण की आधुनिक प्रवृत्तियाँ मध्यप्रदेश हिन्दी अकादमी भोपाल ।*
2. *आहुजा गिरिश एवं गुप्ता रवि (2002–03) : आयकर विद्यान एवं लेखे, साहित्य भवन पब्लिशर्स एवं डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा. लि. आगरा।*
3. *डॉ. अग्रवाल बी. के. (2002–03) : आयकर विद्यान एवं लेखे, नवयुग साहित्य सदन आगरा ।*
4. *प्रो. महेश्वरी राजेन्द्र एवं पुष्प (1980) : प्रत्यक्ष कर नीति : एक समालोचना भारत की कर व्यवस्था, हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ।*
5. *मित्तल लक्षमी चंद (1980) : प्रत्यक्ष कर प्रशासन, आयकर के संदर्भ में भारत की कर व्यवस्था, हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ।*
6. *सिंह दर्याब (1980) : प्रमुख प्रत्यक्ष कर और उनकी विशेषताएँ भारत की कर व्यवस्था, हिन्दी माध यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ।*
7. *सकलेचा श्रीपाल एवं जैन नीतू (2009–10) : भारतीय कर प्रणाली एवं आयकर विद्यान, सतीश प्रिंटर्स एवं पब्लिशर्स इन्दौर ।*
8. *डॉ मेहरात्रा एच. सी. तथा डॉ मेहरात्रा पी. (1996–97) : आयकर विद्यान एवं लेखे, साहित्य भवन पब्लिशन आगरा ।*
9. *डॉ सिंह एस. के. तथा जैन आर. के. (1998–99) : आयकर विद्यान एवं लेखे, साहित्य भवन पब्लिशर्स एवं डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा. लि. आगरा ।*
10. *आयकर की नजर बड़े खरिददारों पर, दैनिक नवभारत, रायपुर, 24 अप्रेल 2008.*
11. *बड़ी कंपनीयाँ कर रही है बहार टैक्स जमा , दैनिक भास्कर रायपुर दिसंबर 12 – 2001.*
12. *भटनागर आर. डी. एवं भटनागर, मिनाक्षी (1998) व्यवहार विज्ञान में अनुसंधान के प्रयोगात्मक अकल्प, लायल बुक डिपो, मेरठ ।*
13. *राय, प्रशांत (1996) अनुसंधान परिचय लक्ष्मीनारायण अग्रवाल हास्पिटल रोड, आगरा ।*

****